57

ISSN(O): 2582-7162

SDES

International Journal of Interdisciplinary Research

(एस. डी. ई. एस. इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च)

Bimonthly Research Journal

द्विमासिक शोध-पत्रिका

(A Peer-Reviewed/Referred Journal)

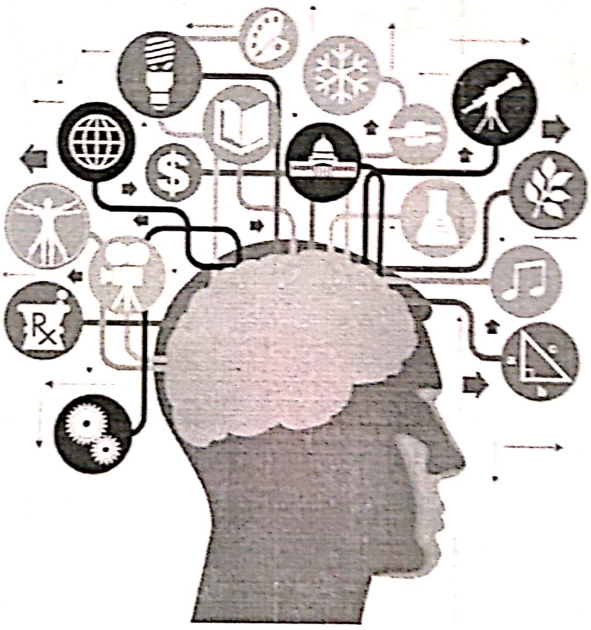

Published by

SHREE DADU EDUCATIONAL SOCIETY

SDES-International Journal of Interdisciplinary Research, Volume 3 issue 6 November-December 2022

Scanned with OKEN Scanner

ISSN: 2582-7162

लेख

उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता सुधार के लिए यूजीसी की 12 सूत्रीय गाइडलाइन और नैक की अनिवार्यता

सुनीता शर्मा[1],बी.एल.जैन[2],

[1]शोधार्थी जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनू
[2]प्रोफेसर, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनू

Corresponding Author:
सुनीता शर्मा
(शोधार्थी)
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनू
Email: joshitriplea@gmail.com

Received 2022 December 10, Accepted 2022 December 29 Published 2022 December 31

सार–किसी भी राष्ट्र के विकास में शिक्षा की अहम भूमिका होती है। समाज के विकास के लिए उच्च शिक्षा एक शक्तिशाली साधन है। इसलिए उच्च शिक्षा का गुणात्मक व मात्रात्मक दोनों होना आवश्यक है। गुणवत्ता में सुधार, शिक्षण अनुसंधान और विस्तार में उत्कृष्टता प्राप्त करना सबसे बड़ी चुनौती है। गुणवत्ता के बिना कोई भी शिक्षण संस्थान प्रगति नहीं कर सकता। यूजीसी ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और शोध को बढ़ावा देने के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनका उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ साथ भारत के शैक्षणिक संस्थानों की रैंकिंग सुधार कर इन्हें दुनिया के शीर्ष 100 संस्थानों में शामिल करना है।

तकनीकी शब्द–गुणवत्ता, उच्च शिक्षा, परामर्श,केयर, अनुसंधान, मूल्यांकन, मूल्य प्रभाव।

देश के उच्च शैक्षणिक संस्थानों में गुणवत्ता में सुधार के लिए यूजीसी ने महत्वपूर्ण पहल की है। यूजीसी के द्वारा 12 सूत्रीय गाइडलाइन तैयार की गई है। जिसके अंतर्गत उच्च शिक्षा संस्थान में गुणात्मक सुधार के लिए आवश्यक सभी पहलुओं को जोड़ा गया है। यूजीसी ने गुणात्मक सुधार के साथ साथ 2022 तक देश के सभी कॉलेज और विश्वविद्यालयों के लिए नैक की ग्रेडिंग अनिवार्य कर दी है, यूजीसी के द्वारा नैक की ग्रेडिंग व शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए जो पहल की गई है वे प्रमुख रूप से निम्न है–

1. **छात्रों के लिए प्रेरणा कार्यक्रम**– इस कार्यक्रम को यूजीसी के द्वारा इस प्रकार बनाया गया है कि छात्रों से जुड़ाव की भावना, अपने अधिकारों व जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता, नए संस्थान के लोकाचार से परिचित करा कर महाविद्यालयों,विश्वविद्यालयों में बिना किसी प्रयास के स्वाभाविक रूप से लाया जा सके। इस कार्यक्रम के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए यूजीसी ने विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों के शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए आठ कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसमें 1650 शिक्षकों ने भाग लिया और लगभग 400 उच्च शिक्षण संस्थानों ने इस कार्यक्रम को लागू कर दिया।

2. **शिक्षा परिणाम आधारित पाठ्यक्रम रूपरेखा**–यूजीसी ने शिक्षा विशेषज्ञों के साथ परामर्श करके शिक्षा परिणाम आधारित पाठ्यक्रम रूपरेखा पर एक दस्तावेज तैयार किया,जिसके अंतर्गत परिणाम का मूल आधार शिक्षा परिणाम कार्यक्रम और शैक्षणिक मानको सहित स्नातक द्वारा प्राप्त की जाने वाली विशेषताओं को क्रमबद्ध करना है। इसका उद्देश्य छात्रों में ज्ञान, कौशल, मूल्य और दृष्टिकोण सृजित करना है। इस रूपरेखा को बनाते समय यूजीसी ने विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली को ध्यान में रखा जो नवीनतम एवं भविष्य के दृष्टिकोण है।

3. **प्रभावी शिक्षण, शिक्षा प्रक्रिया के लिए आईसीटी आधारित शिक्षा उपकरणों का उपयोग**–यूजीसी के द्वारा विद्यार्थियों को आईसीटी आधारित शिक्षण शिक्षा उपकरण व ऑनलाइन पाठ्यक्रमों से जोड़ने की पहल की है। जिसमें ई.पी.जी पाठशाला, स्वय, मूक जैसे कार्यक्रम का संचालन किया गया है।

https://doi.org/10.47997/sdes-ijir/3.6.2022-535-537

Scanned with OKEN Scanner

छात्रों के लिए जीवन कौशल–यूजीसी के द्वारा विद्यार्थियों के लिए एक कौशलपूर्ण पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। जिससे वे सफल जीवन जी सकें। यह 120 घंटे का आठ क्रेडिट पाठ्यक्रम है। इसके अंतर्गत प्रत्येक 30 घंटे के चार मॉड्यूल, संप्रेषण कौशल, पेशेवर कौशल, उद्यमशीलता,नेतृत्व और मानव मूल्य पर आधारित होते हैं। साथ ही स्वयं मंच पर स्वयं की सुविधा अनुसार मूक पाठ्यक्रम विकसित किए जाएंगे।

5. **प्रत्येक संस्थान का सामाजिक और उद्योग से जुड़ाव**–यूजीसी की इस पहल का उद्देश्य विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों का औद्योगिक और व्यावसायिक संगठनों के बीच संबंध बढ़ाना है। इसके अंतर्गत प्रत्येक संस्थान कम से कम पांच गांवों को ज्ञान के आदान प्रदान और गांवों के समग्र सामाजिक और आर्थिक सुधार के लिए अपनाएगा। यूजीसी ने भारत में उच्च संस्थानों के सामाजिक दायित्व सामुदायिक कार्य को बढ़ावा देना विषय पर 30 घंटे के दो क्रेडिट पाठ्यक्रम विकसित किए हैं।

6. **छात्र कैरियर प्रवृत्ति और पूर्व छात्र नेटवर्क**–उच्च शिक्षा के बाद छात्रों की प्रगति पर नजर रखने और प्रभावी शिक्षा का आकलन करने के लिए यूजीसी के द्वारा छात्र कैरियर प्रगति व पूर्व छात्र नेटवर्क नीति दस्तावेज तैयार किए गए हैं।

7. **संकाय प्रेरणा कार्यक्रम**–यूजीसी के द्वारा सभी नए नियुक्त हुए शिक्षको को इस कार्यक्रम में शामिल किए जाने का प्रावधान रखा गया है। इसका उद्देश्य शिक्षकों को संरचना कार्य पद्धति नियम, विनिमय आदि से परिचित कराना है। उनकी भूमिकाओं व जिम्मेदारियों को समझना नैतिकता और मूल्यों के पोषण व महत्त्व को समझना है।

8. **संकाय द्वारा गुणवत्ता अनुसंधान को बढ़ावा देना व नए ज्ञान का सृजन**–

एसटीआरआईडीई(STRIDE) इसका उद्देश्य संकाय द्वारा गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को बढ़ाना है। ताकि नवीन और ज्ञान संबंधी सोच को विकसित किया जा सके और इस तरह अकादमिक संकाय को गुणवत्तापूर्ण वैज्ञानिकों के रूप में तैयार होने के लिए प्रेरित किया जा सके। इस योजना के तीन घटक है–

- विश्वविद्यालय व कॉलेजों में अनुसंधान क्षमता का विकास।
- राष्ट्रीय विकास के लिए अंतर विषयक अनुसंधान और11 समावेशी नवाचार।
- मानविकी ओर मानव विज्ञान में उच्च प्रभाववाले अंतर विषयक अनुसंधान।केयर–यूजीसी के द्वारा सामाजिक विकास, मानविकी, भाषा, कला, संस्कृत, भारतीय ज्ञान प्रणाली जैसे विषयों में विश्वसनीय गुणवत्ता पत्रिकाओं की एक सूची का सुझाव देने के लिए एक सहायता संघ की स्थापना की है। गुणवत्ता पत्रिकाओं की केयर वेबसाइट और संदर्भ सूची लोगों में अधिक जागरूकता पैदा करने और शैक्षणिक सत्यनिष्ठा और नैतिक प्रकाशन को बढ़ावा देने में उपयोगी सिद्ध होगी।

9. **परामर्श**– उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता आश्वासन को बढ़ावा देने के लिए अच्छा प्रदर्शन करने वाले संस्थान द्वारा नए आकांक्षी संस्थानों को परामर्श देने के लिए दिशानिर्देश परामर्श तैयार किए गए हैं। इसके अंतर्गत 167 परामर्श देने वाली संस्थाओं का चयन किया गया है।

10. **उच्च शैक्षणिक संस्थानों में पर्यावरण अनुकूलन और परिसर विकास की रूपरेखा**–यह रूपरेखा महाविध्यालय और विश्वविद्यालय को अपने अपने परिसरों में पर्यावरण में गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए चिंतनशील नीति और व्यवहार को अपनाने इसके लिए भविष्य में सतत हरित तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करती है।

https://doi.org/10.47997/sdes-ijir/3.6.2022-535-537

Scanned with OKEN Scanner

1. **मूल्य प्रवाह**–उच्च शैक्षणिक संस्थानों में मानव मूल्यों और व्यावसायिक आचारनीति के लिए दिशानिर्देश यूजीसी द्वारा विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में मानवीय मूल्यों व आचार नीती की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक नीतिगत रूपरेखा मूल्य प्रवाह तैयार की है।

2. **मूल्यांकन सुधार**–उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार और छात्रों के मूल्यांकन की निष्पक्षता के लिए एक वस्तुपरक प्रणाली आवश्यक है। छात्रों के मूल्यांकन व आंकलन को प्रभावी बनाने के लिए अध्ययन के परिणामों का निष्पक्ष होना अति आवश्यक है। इसी उद्देश्य से यूजीसी ने भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में मूल्यांकन सुधार नामक रिपोर्ट तैयार की है।

निष्कर्ष– यूजीसी की इस 12 सूत्रीय गाइडलाइन से शिक्षण संस्थानों की समग्र गुणवत्ता में वृद्धि होगी तथा उनके अनुसंधान, शिक्षण व सीखने के तरीकों में भी सुधार आएगा इन कार्यक्रम के माध्यम से संस्थानों में अनुसंधान सहयोग को बढ़ाने के लिए ज्ञान एवं सूचनाओं को साझा करने की सुविधा प्राप्त होगी। यूजीसी उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

संदर्भ–

1.https://ddnews.gov.in

2.www.ugc.ac.in

Scanned with OKEN Scanner